කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2016

2022 නොවැම්බර් - 2023 ජනවාරි

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී (නව නිර්දේශය)

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND E 3025

නූතන හින්දී ගද්‍ය සාහිත්‍යය (නියමිත සහ අනියමිත)
MODERN HINDI PROSE (SPECIFIED AND UNSPECIFIED)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව 05යි | කාලය පැය 03යි

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य हैं।

01. निम्नलिखित गद्यांशों में से **किन्ही दो की** संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) "वह तो कितना गंदा बच्चा है, ऐसे गंदे बच्चों के साथ खेलने से छी छी वाले हो जाते हैं। इनके साथ खेलने से जुएँ पड़ जाती हैं। वे कितने गंदे हैं, काले–काले धत्त।"

अथवा

"अब तो जो नाच नचाओगे नाचना पड़ेगा"

(ख) "आज तुम क्यों नहीं चलती, मुझसे क्यों नहीं बोलती, क्यों इधर–उधर छिपी–छिपी फिरती हो? मेरा जी अकेला बैठे–बैठे घबड़ाता है। तुम न चलोगी तो मैं भी न जाऊँगी। यही तुम्हारे साथ बैठे रहूँगी।"

(ग) "सोचो तो बहन, क्या वे मनुष्य नहीं हैं? क्या उनके हृदय नहीं? वे ईश्वर को खुदा कहते हैं, मंदिर में न जाकर मस्जिद में जाते हैं, क्या इसलिए हमें उनसे घृणा करनी चाहिए?"

02. निम्नलिखित गद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

जीवन में बड़ों का आदर करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। जब हम बड़ों का आदर करते हैं तब वास्तव में हम उनका आशीर्वाद पाते हैं। साथ–ही जीवन में आनेवाली बड़ी–बड़ी समस्याओं को भी हम हल कर सकते हैं। जब हम किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए जा रहे हैं, तब हमें बड़ों का आशीर्वाद लेना बहुत ही ज़रूरी है। हम बड़ों का आदर सत्कार करें तो जीवन को सही ढंग से जी पाते हैं।

03. निर्मला उपन्यास में निरूपित 'निर्मला' के चरित्र का स्वभाव कैसा है? पठित अंश के आधार पर समझाइए। (20 अंक)

04. **'राखी का मूल्य'** शीर्षक एकांकी का सार अपनी हिन्दी में लिखिए। (20 अंक)

05. **'आदमी का बच्चा'** कहानी में चित्रित चरित्रों का परिचय दीजिए। (20 अंक)

06. पठित अंश के आधार पर 'बैजू मामा' रेखाचित्र में निरूपित **'बैजू मामा'** के चरित्र के स्वभाव का वर्णन कीजिए। (20 अंक)

अथवा

रजिया रेखाचित्र में चित्रित रजिया के चरित्र का वर्णन कीजिए। (20 अंक)

****